॥ बसन्तबहार ॥

व

ग्रीषम (गरम)।

जिसको

सिद्धि [illegible] राजाधिराज श्रीसीतारामचन्द्र [illegible] अधिकारी श्रीमहाराजासाहबबहादुर श्री १०८ व्यङ्कटरमण रामानुजप्रसादसिंह जू देव जी सी यस आई के [illegible] के जन्मोत्सव मे राज्य रीवा तहसील [illegible] श्री कविन्दशिरोमणि मिश्र [illegible] हेडमाष्टर ने बसन्तऋतु व ग्रीषम का वर्णन मनोहर कवित्तो मे करके बनाया।

इस पुस्तक के छापने का सर्वविधि अधिकार श्री बाबू [illegible] सम्पादक भारतजीवन को है।

॥ काशी ॥

भारतजीवन यन्त्रालय मे मुद्रित हुई।

सन् १९०२ ई०।

प्रथमवार १००० मूल्य ≈)